अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय वायु सेना ने चंडीगढ़ के रघबीर सिंह भोला हॉकी स्टेडियम में 29 अप्रैल से 06 मई 2025 तक **मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट** के **छठे संस्करण का** आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

- **टूर्नामेंट का विवरण:**
  - इस **टूर्नामेंट** में वायु सेना हॉकी टीमों और दो अन्य देशों की टीमों सहित **बारह टीमों** ने भाग लिया।
  - यह टूर्नामेंट **वायुसेना के मार्शल अर्जन सिंह DFC (विशिष्ट फ्लाइंग क्रॉस)** के स्मरण में आयोजित किया जाता है जो भारतीय वायुसेना के इतिहास में प्रमुख व्यक्तित्व थे।
  - हॉकी के प्रति अर्जन सिंह का अतुलनीय जुनून तथा सैन्य एवं खेल दोनों क्षेत्रों में प्रेरणादायक नेतृत्व, प्रेरक रहा है।
- **अंतिम खेल:**
  - फाइनल मैच **भारतीय रेलवे और रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला** के बीच हुआ।
  - भारतीय रेलवे ने 2 गोल की बराबरी के बाद टाई-ब्रेकर में 3-1 से जीत हासिल की।
- **पुरस्कार:**
  - इस क्रम में एक भव्य पुरस्कार समारोह के दौरान पदक, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किये गए।
    - विजेताओं को 3,00,000/- रुपए मिले
    - उपविजेताओं को 2,00,000/- रुपए मिले
  - प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों को भी उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

वायुसेना मार्शल अर्जन सिंह

- उनका **जन्म वर्ष 1919** में लायलपुर (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उन्हें **वर्ष 1939 में रॉयल इंडियन एयर फोर्स में शामिल** किया गया था और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा अभियान में उनकी भूमिका के लिये उन्हें **विशिष्ट फ्लाइंग क्रॉस (DFC)** से सम्मानित किया गया था।
  - वह वर्ष 1964 में 44 वर्ष की आयु में **वायु सेना प्रमुख** बने।
- **वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध** के दौरान, उनके निर्णायक नेतृत्व से **भारतीय वायुसेना ने अखनूर में पाकिस्तान के आक्रमण** को अप्रभावी बनाया, जिसके लिये उन्हें **पद्म विभूषण** से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2002 में वह **वायुसेना के मार्शल की फाइव स्टार रैंक** से सम्मानित होने वाले **एकमात्र भारतीय वायुसेना अधिकारी** बने।
- सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने दिल्ली के **राजदूत** और **उपराज्यपाल** के रूप में कार्य किया।

भारतीय वायु सेना

- **पृष्ठभूमि:**
  - **भारतीय वायु सेना** की स्थापना वर्ष 1932 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के खिलाफ युद्ध में यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फोर्स की सहायता हेतु की गई थी।
    - जापानी सेना को भारत में आगे बढ़ने से रोकने के लिये भारतीय वायुसेना का उपयोग बर्मा में जापानी ठिकानों को निशाना बनाने के लिये किया गया।
  - वर्ष 1945 में किंग जॉर्ज VI ने IAF की उपलब्धियों के सम्मान में इसको **"रॉयल" टाइटल** प्रदान किया। **वर्ष 1950 में भारत के गणतंत्र** बनने के बाद, इस मानद टाइटल को समाप्त कर दिया गया।
  - देश की स्वतंत्रता के बाद **वर्ष 1950 में इसका नाम भारतीय वायु सेना** के रूप में विकसित हुआ।
- **परिचय:**
  - भारत के राष्ट्रपति सशस्त्र सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर होते हैं।
  - **विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायु सेना,** भारतीय वायु सेना है।
  - **मुख्यालय:** नई दिल्ली

- भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य: **गौरव के साथ आकाश को छूना।**
  - यह **भगवद्गीता के ग्यारहवें अध्याय** से लिया गया है।
- वायु सेना प्रमुख**, एयर चीफ मार्शल,** वायु सेना की परिचालन कमान के लिये उत्तरदायी होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/arjan-singh-memorial-hockey-tournament-2025